बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

दानिय्येल एक क़ैदी

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Jonathan Hay

रूपान्तरकार: Mary-Anne S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2017 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

दानिय्येल और उसके तीन दोस्त इस्राएल में रहते थे। एक दिन एक महान राजा उनके देश में आया और सभी बुद्धिमान युवकों को अपने देश लेकर चला गया। उस राजा का बड़ा लंबा नाम था - नबूकदनेस्सर - और वह बाबुल नामक एक दूर देश में रहता था।

बाबुल में युवकों का बहुत अच्छी तरह से खिदमत किया गया। राजा ने दुनिया के हर देश से प्रतिभाशाली और सबसे अच्छे युवकों को चुना था। उसने बाबुल की भाषा में उन्हें प्रशिक्षित करने की योजना बनाई ताकि वे उसके कर्मचारी बनकर राज्य चलाने में उसकी मदद करें।

युवक भी वही भोजन खाते थे जो राजा खाता था। लेकिन दानिय्येल और उसके दोस्त वह भोजन नहीं खाना चाहते थे क्योंकि वह भोजन झूठे देवताओं के सामने चढ़ाया गया था।

दानिय्येल ने परमेश्वर के विरोध में कुछ भी न करने का वादा किया था। इस्राएल के परमेश्वर ने अपने लोगों को आज्ञा दिया था कि वे मूर्तियों व झूठे देवताओं के साथ कुछ सम्बन्ध न रखें।

दानिय्येल, अपने प्रशिक्षण देनेवाले प्रभारी से अनुमति माँगा कि उसे राजा का भोजन न दिया जाये। यदि राजा को इस बात का पता चल जाता तो राजा बहुत नाराज हो जाता; लेकिन परमेश्वर ने दानिय्येल को इस आदमी का पसंदीदा बना दिया था।

वह दानिय्येल और उसके दोस्तों का एक परीक्षा लेने के साथ सहमत हो गया। दस दिनों के लिए उन्हें केवल सब्जियां खानी और केवल पानी पीना था। उन दस दिन के अंत में दानिय्येल और उसके दोस्त, राजा का भोजन खाने वाले अन्य सभी पुरुषों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ लग रहे थे।

इन युवकों ने परमेश्वर को सम्मानित किया। और परमेश्वर ने भी उन्हें सम्मानित किया। परमेश्वर ने उन्हें ज्ञान और कौशल दिया, और दानिय्येल को सब दर्शन और सपनों को समझने के लिए ज्ञान दिया गया था।

बाबुल में स्कूल की शिक्षा के तीन साल बाद, सभी युवाओं को राजा नबूकदनेस्सर के सामने प्रस्तुत किया गया। वह उन सब में से सबसे होनहार के रूप में दानिय्येल और उसके तीन दोस्तों को चुना।

वास्तव में, राजा ने यह पता लगा लिया कि उसके राज्य में सभी बुद्धिमान पुरुषों की तुलना में दानिय्येल अधिक ज्ञान वान और बुद्धिमान था।

एक रात, राजा को एक बुरा सपना आया। उसने अपने जादूगरों, ज्योतिषियों और टोना करने वालों को उसके सामने उपस्थित होने का आदेश दिया। राजा ने कहा, "मैंने एक सपना देखा है, और मेरी आत्मा सपने को समझने के लिए उत्सुक है"।

पण्डितों ने कहा; हे राजा, "तू सर्वदा जीवित रहे, उत्तर देते हुवे कहे! उस सपने को अपने सेवकों को बता, और हम सब उसका मतलब समझा देंगे।"

राजा ने जवाब दिया, "नहीं! आप खुद ही मेरे सपने को जो मैंने देखा है और उसका मतलब क्या है समझाओ। अगर तुम नहीं बता सकते हो तो, तुम टुकड़ों में काट दिए जाओगे, और तुम्हारे घरों को जला दिया जायेगा!

परन्तु यदि तुम मेरे सपने और उसका मतलब समझाओ तो" राजा बोलना, जारी रखा। "तुम उपहार और पुरस्कार और महान सम्मान प्राप्त करोगे।" बेशक, पण्डितों से कोई भी राजा के सपने को बता न सका।

राजा के पण्डितों ने राजा को बताया कि जो तुम पूछ रहे हो उसे बताने के लिए इस पृथ्वी पर ऐसा कोई आदमी नहीं है।

"केवल देवता ही ऐसा कर सकते हैं, और वे पृथ्वी पर नहीं रहते" राजा को बहुत गुस्सा आ गया। "उसने आज्ञा दी कि "बाबुल के सब पण्डितों को नष्ट कर दिया जाये"।

जब सैनिक दानिय्येल के पास आये तब उसने, अर्योक, राजा के कप्तान से पुछा। "राजा सब पण्डितों को क्यों नष्ट करना चाहता है?" तब अर्योक ने दानिय्येल को सब कुछ बता दिया।

दानिय्येल राजा से मिलने के लिए चला गया। उसने राजा से कुछ और समय माँगा ताकि वह राजा के सपने और उसके अर्थ को बता सके।

फिर दानिय्येल अपने घर गया, अपने दोस्तों शद्रक, मेशक और अबेदनगो को सब कुछ बता दिया।

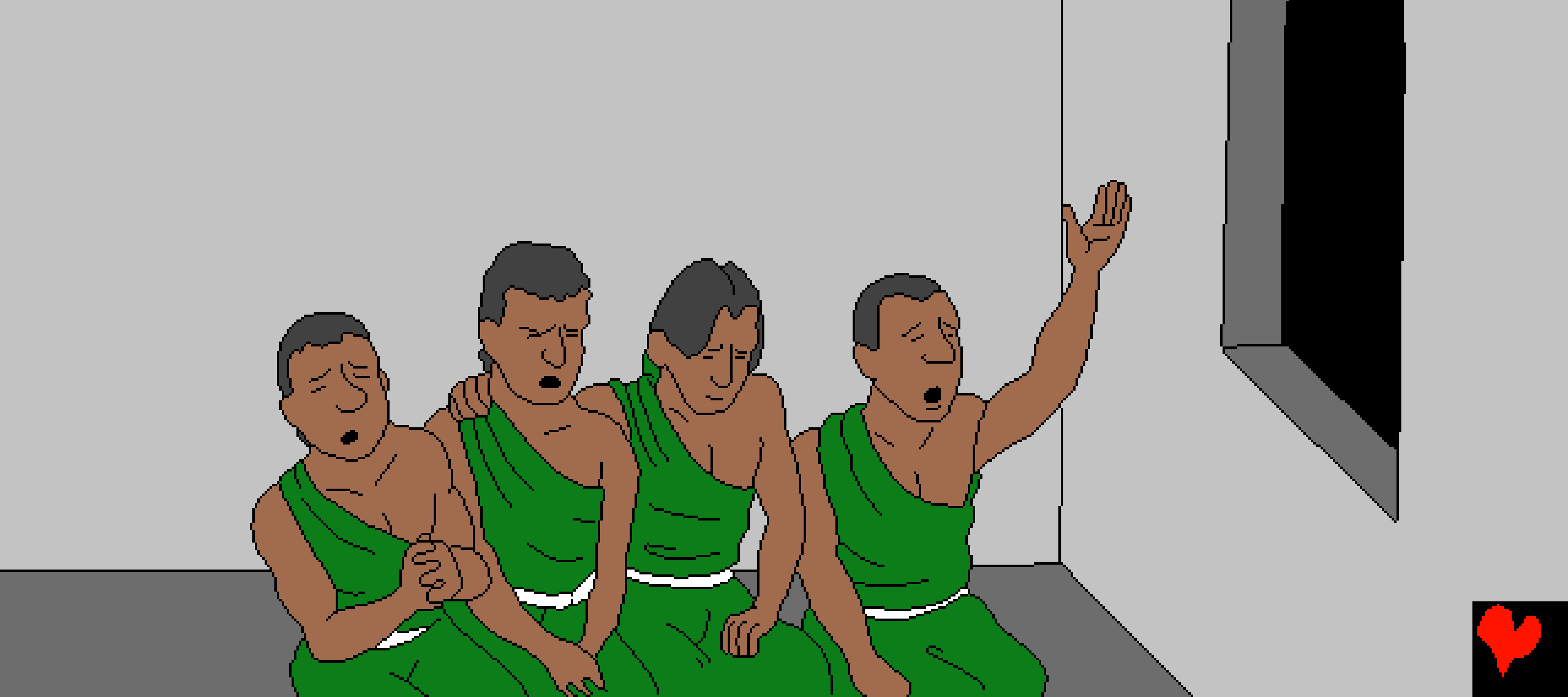

दानिय्येल को सपना या उसके मतलब के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन वह एक ऐसे ब्यक्ति को जानता था जिसे सब कुछ मालूम था।

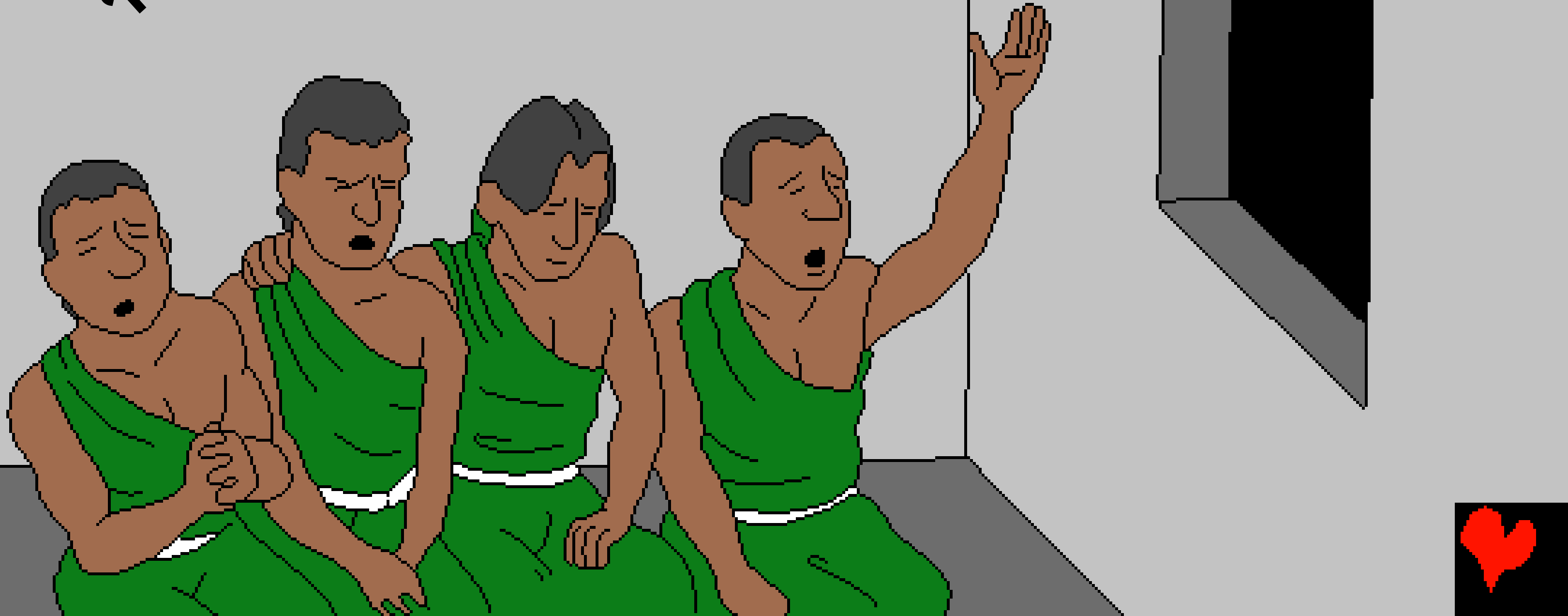

वह ब्यक्ति कोई नहीं परन्तु परमेश्वर है। अब दानिय्येल अपने दोस्तों के साथ प्रार्थना करने लगा।

परमेश्वर ने दानिय्येल को वह सपना और उसका अर्थ दिखाया। दानिय्येल, स्वर्ग के परमेश्वर को धन्य कहा, "यहोवा परमेश्वर का नाम धन्य हो, बुद्धि और पराक्रम और महिमा सदा उसकी ही है।"

दानिय्येल, जल्दबाजी में राजा के पास गया और उसे सब कुछ बताया। "एक यहोवा परमेश्वर है जो स्वर्ग में रहता है और सभी रहस्यों को जानता है।"

राजा ने क्या सपना देखा था और उस सपने का मतलब क्या है, सब राजा को बताया।

राजा नबूकदनेस्सर अपना सपना और इसका अर्थ सुनकर, दानिय्येल सामने नीचे मुँख के बल गिर गया। और कहा, "सच तो यह है की तुम लोगों का परमेश्वर, सब ईश्वरों का ईश्वर, राजाओं का राजा, और भेदों का खोलने वाला है।"

इसीलिए तुम इस भेद को बता सके हो। तब राजा ने दानिय्येल को एक महान आदमी बनाया, और उसे कई महान उपहार भी दिया। राजा ने उसे बाबुल के पूरे प्रांत का शासक बनाया, और बाबुल के सब पण्डितों पर अधिकारी करके नियुक्त कर दिया।

दानिय्येल एक क़ैदी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

दानिय्येल 1-2

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16